

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाषा П—खण्ड 3—उपसण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩o 433]

नहीं विरुली, बृहस्पतिबार, बिसम्बर 30, 1976/पींच 9, 1898

No. 433]

NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 30, 1976/PAUSA 9, 1898

इस भाग में भिन्न पुष्ट संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलम के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

DEPARTMENT OF SUPPLY

CORRIGENDA

New Delhl, the 30th December 1976

G.S.R. 960(E).—In the Order of the Government of India in the Department of Supply No. G.S.R. 817(E) dated the 25th September, 1976 published at pages 2407 and 2408 of the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated the 25th September, 1976, at page 2407—

- (i) in line 3 from the bottom, for "directs that" read "directs—":
- (ii) in line 2 from the bottom, for "the said", read "that the said".

[No. SV-3/217/73/085/167]

R. TIRUMALAI, Secy.

पूर्ति विभाग

शुद्धि पश्च

नर्षं दिल्ली, 30 विसम्बर, 1976

स्ता॰ का॰ नि॰ 961 (घ).—दिनांक 25 सितम्बर, 1976 के बारंत के असाधारण राजपत, भाग-2, खण्ड-3, उप खण्ड (1) के पृष्ठ 2407 भीर 2408 पर प्रकाशित पृति विभाग में भारत सरकार के विनांक 25 सितम्बर, 1976 के बादेश संख्या जी॰ एस॰ आर॰ 817 (ई) के पृष्ठ 2408 पर

- (1) नीचे से 8वीं लाइन में "निवेश करती है कि" के स्थान पर "निवेश करती है" पिक्ए;
- (2) तीचे से 7वीं लाइन में ''शालीमार बन्धें" के स्थान पर ''कि शालीमार बन्धें" पड़िए।

[सं॰ एस चो॰-3/217/73/085/167] भार॰ तिरुमलै, सचित्र।